

**करसायर/करसायल** पुं. (तद्.) कृष्णसार (तत्.) 1. काला-हिरन, कृष्णसार, काला मृग उदा. जाके कुल की जौन है, गहे रहै सो तौन, करसायल के सींग की ऐंठ जमावत कौन"।

**करसि/करसी (करीष) स्त्री.** (तद्.) 1. कंडा, उपला 2. कंडे का टुकड़ा या चूरा, गोसा 3. कंडों की आग उदा. सिर करवत तन करसी लै लै जायसी-पद्मावत (114/8) "काशी करवत लेने" की तर्ज पर प्रयाग में कंडों की आग पर शरीर को भस्म करना, इसे "करही लेना" कहा जाता है तथा यह भी साधनापूर्वक मरने की एक रीति है।

**करहंत** पुं. (तद्.) दे. करहंस।

**करहंस** पुं. (तत्.) प्रत्येक चरण में एक नगण, एक सगण और अंत्य लघु कुल सात वर्णों से युक्त एक वर्णवृत्त (वर्णिक छंद) 'करहंत' छंद उदा. "निसि लखु गुपाल, ससिहिं सम बाल लखत अरिकंस नखत करि हंस।

**करह** पुं. (तद्.) करभ, 'ऊँट' स्त्री. (तद्.) कली (फूल की)।

**करहरा** वि. (देश.) काले अंश वाला उदा. "टेसू करहर मानो क्वैला अधजरे धरे" गंग (कृ. 225)।

**करहरिया** पुं. (देश.) काले और हरे रंग का घोड़ा उदा. "सेमनि सरसत करहरिया" -पद्याकर ग्रंथ।

**करहा** पुं. (तद्.) 'करभ', 'ऊँट'।

**करहाट** पुं. (तत्.) 1. करहाटक 2. कमल की छतरी, छत्ता, कमल-छत्र 3. कमल की रेशेदार जड़, भसीड़ उदा. "कोऊ कहै करहाट के तंत में कोक-परागन में उनमानी" (शृंगार.)

**करहाटक** पुं. (तत्.) 1. दे. 'करहाट' 2. कर अर्थात् हाथ का सोने का आभूषण।

**करांगुलि** स्त्री. (तत्.) कर की अँगुलि, हाथ की अँगुली (उँगली)।

**कराँकुल** स्त्री. (तद्.) 1. कूँज पक्षी, क्रौंच, जलाशयों के किनारे पर रहने वाली एक बड़ी चिड़िया या पक्षी।

**कराँद/कराँत (करपत्र)** पुं. (तद्.) 'आरा' (जिससे लकड़ी चीरी जाती है, 'कराँती' 1. आरा चलाने वाला 2. छोटा आरा 3. हँसिया जिसमें आरे की तरह के दाँते होते हैं।

**करा** पुं. (तद्.) (उगने वाले) पौधे का कोमल पत्ता, कल, कोपल, फुनगी 2. कला 3. कड़ा।

**कराइत** पुं. (देश.) एक प्रकार का बहुत विषैला और काला साँप, करैत साँप।

**कराई** स्त्री. (देश.) 1. काम करने की मजदूरी (पारिश्रमिक) 2. काम करने या कराने की क्रिया या भाव 2. उरद, मटर, अरहर तथा चना आदि दालों के दलने के उपरांत निकले छिलके या भूसी। 3. कालापन, श्यामलता।

**कराकुल** पुं. (तद्.) कराँकुल, क्रौंच पक्षी। उदा. भयभीत कराकुल पक्षियों की पंक्तियाँ "करर करर"-करती हुई -तितली. प्रसाद)।

**कराघात** पुं (तत्.) हाथ से किया हुआ आघात, वार, प्रहार।

**कराचोली** स्त्री. (देश.) 1. लोहे की कड़ियों से निर्मित कवच जो वक्षस्थल पर पहना जाता है 2. एक छोटी तलवार, किरच।

**कराइ** स्त्री. (तद्.) 1. खरीददार। 2. महाजन, क्रेता, क्रय करने वाला।

**कराना** स.क्रि. (तद्.) करने का प्रेरणार्थक रूप, किसी से कोई कार्य करवाना, किसी को किसी कार्य को करने में प्रवृत्त करना 2. किसी के कार्य में सहयोग देना।

**करापात** पुं. (तत्.) कर अथवा टैक्स के भार को वास्तविक तौर पर वहन करना, 'करवाह्यता'।

**करामत** स्त्री. (अर.) 1. चमत्कार 2. कारगुजारी 3. कृपा, दया।

**करामलक** पुं. (तत्.) 1. कर अर्थात् हथेली पर रखा हुआ आँवला 2. हथेली पर रखे हुए आँवले के समान-स्पष्ट तथ्य या बात, हस्तामलक न्याय।